www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 136 | जौनपुर बुधवार, 31 दिसम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बांके बिहारी ने भक्तों से जताई 5 जनवरी तक दूरी बनाने की गुजारिश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गोस्वामी (पुजारी) समुदाय की सलाह के बाद वृन्दावन के श्री बांके बिहारी जी मंदिर प्रबंधन समिति ने भक्तों से अपील की है कि वे पांच जनवरी तक वृंदावन स्थित मंदिर में आने से बचें। नववर्ष के अवसर पर वृन्दावन के विश्व प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के दर्शन के लिए देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन ने यह अपील जारी की है। मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा की दृष्टि से जारी की गई अपील में कहा है कि बहुत आवश्यक न होने पर इस सप्ताह खासकर बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं विशेषकर गर्भवती महिलाएं दर्शन के लिए मंदिर में ना आएं। कुछ समय बाद भीड़ कम हो जाएगी तो मंदिर आने पर उनके लिए बेहतर स्थितियां रहेंगी। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष चालू वर्ष की समाप्ति तथा नए साल के आगमन के उपलक्ष्य में बहुत से दंपति परिवार सहित ठाकुरजी का आशीर्वाद लेने की कामना के साथ वृन्दावन, मथुरा व ब्रज के अन्य मठ–मंदिरों व आश्रमों में पहुंचते हैं इसीलिए इन खास दिनों में भीड़ का दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। मंदिर के जिम्मेदार अधिकारियों के मुताबिक ऐसे में वृन्दावन की कुंज गलियों में तो पैर रखने की भी जगह नहीं मिल पाती है। इससे कल्पना की जा सकती है कि श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए कोई भी अप्रिय घटना घटने की आशंका बन जाती है। उन्होंने बताया कि इसीलिए मंदिर प्रबंधन ने एक बार फिर अपील जारी की है ।

खालिदा जिया ने सैन्य तानाशाही के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ा था

बांग्लादेश, (एजेंसी)। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने एक बयान में बताया कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, जिनकी शेख हसीना के साथ कट्टर दुश्मनी ने एक पीढ़ी तक देश की राजनीति को परिभाषित किया था, का निधन हो गया है। वह 80 साल की थीं। उन पर भ्रष्टाचार के मामले थे, जिनके बारे में उन्होंने कहा था कि वे राजनीतिक रूप से प्रेरित थे, लेकिन जनवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ आखिरी भ्रष्टाचार के मामले में जिया को बरी कर दिया था, जिससे वह फरवरी के चुनाव में चुनाव लड़ सकती थीं। उनका निधन ऐसे समय में हुआ है जब बांग्लादेश में राजनीतिक और सामाजिक उथल–पुथल चल रही है, जिसमें विरोध प्रदर्शन, हिंसा, अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार और देश में अंतरराष्ट्रीय जांच बढ़ रही है। खालिदा जिया ने बांग्लादेश में सैन्य तानाशाह के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ कर 1990 में तत्कालीन तानाशाह और पूर्व सेना प्रमुख एच.एम. इरशाद का पतन करने में अहम भूमिका निभायी थी। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ उनकी तीखी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता ने एक पीढ़ी तक देश की राजनीति को आकार दिया।

भारत के विकास की कहानी स्थिरता और विश्वसनीयता से बनी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि लेबर कोड से लेकर व्यापार समझौतों और ऊर्जा एवं बाजार सुधारों तक भारत के विकास की कहानी स्थिरता, विश्वसनीयता और लंबी अवधि के विश्वास से बनी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएमओ इंडिया ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पोस्ट को कोट करते हुए लिखा, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रिफॉर्म एक्सप्रेस 2025 पर लेख लिखा है। वह शासन की उस शांत, संचयी प्रक्रिया के बारे में बताते हैं जिसके द्वारा सप्ताह दर सप्ताह आने वाली बाधाओं को दूर किया गया। अपने आर्टिकल में, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री पुरी ने बताया कि कैसे पीएम मोदी सरकार के सुधारों से व्यापार करने में आसानी हो रही है और निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है। पुरी ने रिफॉर्म एक्सप्रेस 2025 को लगातार गवर्नेंस के मिले–जुले असर के तौर पर बताया, जहां बाधाओं को अचानक, बड़े बदलावों के बजाय सामान्य तरीके से दूर किया जाता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता वाले अनिश्चित वैश्विक माहौल में, नरेंद्र मोदी की स्थिर लीडरशिप सबसे अलग दिखती है। पुरी ने बताया था कि लेबर कोड, बड़े ट्रेड एग्रीमेंट, सिक्योरिटीज मार्केट कोड बिल और इंडियन पोर्ट्स एक्ट 2025 जैसे अहम कदम लंबे समय तक चलने वाले आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शांति बिल भारत के सिविल न्यूक्लियर फ्रेमवर्क को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, यह सुधार पुराने कानूनों को खत्म करने, छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने, लेबर कंप्लायंस को आधुनिक बनाने, मार्केट की निगरानी को मजबूत करने, व्यापार प्रक्रियाओं को डिजिटाइज करने, लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने और लंबे समय के एनर्जी निवेश में जोखिम को कम करने के एक साफ पैटर्न का पालन करते हैं।

दिल्ली में भ्रष्टाचार पर सीएम की सख्त कार्रवाई, दो अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को एक बार फिर स्पष्ट करते हुए जनता से सीधे जुड़े राजस्व विभाग के अधिकारियों पर कड़ी और त्वरित कार्रवाई की है।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर कापसहेड़ा के सब–रजिस्ट्रार और महरौली के तहसीलदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उनके विरुद्ध लगातार मिल रही शिकायतों और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के आधार पर की गई है।मुख्यमंत्री के आदेश पर कापसहेड़ा में पदस्थ एक डीड राइटर का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट है, भ्रष्टाचार के प्रति किसी भी स्तर पर कोई सहनशीलता नहीं होगी।उन्होंने कहा कि जो अधिकारी सीधे जनता के कार्यों से जुड़े हैं, उनसे ईमानदारी, संवेदनशीलता और जवाबदेही की अपेक्षा की जाती है। यदि कोई अधिकारी लापरवाही बरतता है या भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है, तो उसे सेवा में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें जनता ने इसलिए चुनकर भेजा है कि हम आम जन के कार्यों को प्रभावी ढंग से करें और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जो अधिकारी या व्यवस्था इसमें बाधा उत्पन्न करेगी, उसके खिलाफ कठोर और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह कार्रवाई एक उदाहरण है और आगे भी यदि किसी भी विभाग या अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती हैं, तो सरकार बिना किसी दबाव या भेदभाव के सख्त कदम उठाएगी।उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार में केवल वही अधिकारी कार्य करेंगे।

पंजाब विधानसभा में वीबी–जी राम जी' कानून के खिलाफ प्रस्ताव लाना संविधान के विरुद्ध : शिवराज सिंह चौहान

पंजाब, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा में विकसित भारत– रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी 'वीबी–जी राम जी' कानून के खिलाफ प्रस्ताव पेश किए जाने को संविधान और संघीय ढांचे की मूल भावना के विरुद्ध करार दिया और कहा कि संसद द्वारा पारित कानून को मानना राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। राजधानी भोपाल स्थित अपने आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वह कल्पना लोक में रहते हैं और देश की हकीकत से उनका कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा, बिना मंत्री परिषद और कैबिनेट के काम चलने की बात कहना केवल भ्रम फैलाना है। मन में जो आया, वह कह देना जिम्मेदार राजनीति नहीं है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी ने पिछले दिनों कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल से पूछे बिना और मामले का अध्ययन किए बिना अकेले ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म कर दिया। चौहान ने पंजाब विधानसभा में इस विधेयक के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि ये अंध विरोध की राजनीति है और कुछ लोग केवल विरोध के लिए विरोध कर रहे हैं, ।

बंगाल को घुसपैठ मुक्त कर बदलेंगे पहचान : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर पड़ोसी बांग्लादेश में अशांति और घुसपैठ की बढ़ती चिंताओं के बीच सीमा पर बाड़बंदी रोकने का आरोप लगाया। ये टिप्पणियां 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले आई हैं, जिनमें शाह ने राज्य में आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाने का संकेत दिया है। शाह ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में भ्रष्टाचार के कारण पश्चिम बंगाल का विकास रुक गया है। मोदी द्वारा शुरू की गई सभी लाभकारी योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की शिकार हो गई हैं। पिछले 14 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार पश्चिम बंगाल की पहचान बन गए हैं। 15 अप्रैल, 2026 के बाद, जब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी, तब हम बंगाल की विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने का कार्य शुरू करेंगे। यह श्बंगा भूमिश हमारे लिए बहुत महत्व रखती है क्योंकि भाजपा का गठन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था, जो यहां के एक बड़े नेता थे। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ रुक गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह जारी है। शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं, जिसका मकसद उनके अनुसार श्अपना वोट बैंक बढ़ानाश है। उन्होंने कहा कि ममता, आज मैं आपसे एक सीधा सा सवाल पूछना चाहता हूं। कौन सी सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन देने से इनकार करती है? मैं खुद इसका जवाब दूंगा – यह आपकी सरकार है जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देती। फिर मैं पूछना चाहता हूं कि घुसपैठिए सबसे पहले बंगाल में क्यों प्रवेश करते हैं? आपके पटवारी और पुलिस स्टेशन क्या कर रहे हैं? इन घुसपैठियों को वापस क्यों नहीं भेजा जा रहा है? क्या बंगाल सरकार यह बता सकती है कि असम और त्रिपुरा में घुसपैठ क्यों रुक गई है?

पीएम मोदी ने खालिदा जिया के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन पर शोक जताया। उन्होंने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों में उनकी भूमिका का जिक्र करते हुए करीब 10 साल पहले हुई पहली मुलाकात की स्मृतियां भी साझा कीं। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर साल 2015 में खालिदा जिया के साथ हुई मुलाकात और बातचीत की तस्वीरें साझा कर पूर्व प्रधानमंत्री के चाहने वालों और परिजनों के लिए संबल की कामना भी की। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कुछ कहा? नीचे पढ़िए उनका शोक संदेश पीएम मोदी ने लिखा, श्ढाका में पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और बांग्लादेश के समस्त जनमानस के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर उनके परिवार को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में उनके योगदान पर पीएम मोदी ने लिखा, श्बांग्लादेश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री के रूप में बांग्लादेश के विकास और भारत–बांग्लादेश संबंधों में उनके महत्वपूर्ण योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुझे 2015 में ढाका में उनसे हुई उनकी सौहार्दपूर्ण मुलाकात याद है। हम आशा करते हैं कि उनकी दूरदृष्टि और विरासत हमारी साझेदारी को आगे भी दिशा देती रहेगी।उनकी आत्मा को शांति मिले। खालिदा जिया के निधन पर उनकी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहीं शेख हसीना ने भी शोक प्रकट किया। उन्होंने बीएनपी की पूर्व अध्यक्ष को देश के राजनीतिक इतिहास का महत्वपूर्ण व्यक्ति बताया। हसीना ने कहा, बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में लोकतंत्र की स्थापना के संघर्ष में उनकी भूमिका को याद किया जाएगा। राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए हसीना ने कहा, जिया की मृत्यु बांग्लादेश की राजनीति और बीएनपी के नेतृत्व के लिए एक गहरा नुकसान है। पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भी शोक प्रकट किया। उन्होंने देश में तीन दिन के राजकीय शोक का भी एलान किया। यूनुस ने टीवी पर प्रसारित एक संदेश में कहा, नमाज–ए–जनाजा और पूरे देश में शोक के दौरान अनुशासन और कानून–व्यवस्था बनाए रखें।

संस्थाएं एक–एक खेल को गोद लें, वहां अच्छे कोच रखे जाएंगे : सीएम योगी

गोरखपुर, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वह जल्द ही गोरखपुर महानगर की सभी संस्थाओं के साथ बैठक करने वाले हैं। उस बैठक में संस्थाओं का आह्वान किया जाएगा कि वे एक–एक खेल को गोद लें। कुछ सहयोग वे करें और कुछ सरकार करेगी। वहां पर अच्छे कोच रखे जाएंगे। इससे बच्चों को खेल के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म प्राप्त होगा। सीएम योगी, सोमवार को शहर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विधायक खेल स्पर्धा– 2025 के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने खेलकूद के महत्व को समझाते हुए कहा कि जीवन में सफलताओं का मार्ग स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकता है। स्वस्थ शरीर खेलकूद और यौगिक क्रियाओं के माध्यम से ही प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भी कहा गया है। कला के अलग अलग विधाओं गायन, वादन, नृत्य, नाट्य आदि की यह प्रतियोगिता जनवरी के प्रथम सप्ताह में होगी। 11 से 13 जनवरी को गोरखपुर महोत्सव के मुख्य आयोजन में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्ष के अंदर देश में खेल और खेलकूद की गतिविधियों को लेकर भारी बदलाव हुआ है। कबड्डी, हॉकी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स के लिए पूरी दुनिया भारत की तरफ देखती है। ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ, वर्ल्ड चौंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा की एक नई मांग खड़ी हो चुकी है और इसी को ध्यान में रख करके सरकार स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को लगातार मजबूत कर रही है।

दिल्ली हर जिले के अस्पताल में अमृत फार्मेसीज खोलें : नड्डा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा है कि अमृत फार्मेसीज, जो ब्रांडेड दवाओं पर 50: तक की छूट देती हैं, राज्य के हर जिला अस्पताल में खोली जानी चाहिए। उन्होंने राज्य के अधिकारियों से फार्मेसी खोलने के लिए भ्स्लाइफकेयर लिमिटेड के साथ जुड़ने को कहा। मजबूत दवा रेगुलेशन की जरूरत पर जोर देते हुए, नड्डा ने राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव और सीनियर अधिकारियों के साथ एक हाई–लेवल रिव्यू मीटिंग में कहा कि दवाओं की क्वालिटी पक्का करने के लिए फार्मास्यूटिकल सप्लाई चेन में लगातार मॉनिटरिंग जरूरी है। फ्री दवाएँ और फ्री डायग्नोस्टिक्स स्कीम के बारे में, नड्डा ने मजबूत सप्लाई–चेन सिस्टम और असरदार मॉनिटरिंग की जरूरत पर जोर दिया। डायग्नोस्टिक्स की अहम भूमिका पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि समय पर और अच्छी क्वालिटी की टेस्टिंग असरदार हेल्थकेयर डिलीवरी का आधार है। उन्होंने नेशनल हेल्थ मिशन के दखल, मॉडल, मेडिकल शिक्षा के विस्तार, वायबिलिटी गैप फंडिंग और मॉडर्न और सस्ती हेल्थकेयर सर्विस देने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट के जरिए हरियाणा को केंद्र के सपोर्ट को दोहराया।

जनजातीय समाज सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक शिक्षा और तकनीक को अपनाए : राष्ट्रपति मुर्मू

गुमला, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को झारखंड के गुमला जिले के रायडीह प्रखंड में अंतरराज्यीय जन–सांस्कृतिक समागम श्कार्तिक जतराश में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की अस्मिता और विरासत को संरक्षित रखने की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के माध्यम से आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास की सबसे बड़ी पूंजी है और इसके विस्तार–प्रसार से ही समाज तथा राज्य का समग्र विकास संभव है। झारखंड के गुमला निवासी महान जनजातीय नायक पंखराज साहेब कार्तिक उरांव की स्मृति को नमन करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे सभी के लिए प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद अपनी सोच को अपनी माटी और अपने लोगों के लिए समर्पित रखा और शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम माना। आज उसी भावना के साथ श्कार्तिक जतराश के माध्यम से लोग उन्हें याद कर रहे हैं, जो अपने आप में एक सार्थक पहल है। राष्ट्रपति ने कहा कि गुमला जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना पंखराज उनका सपना था, जिसे शीघ्र साकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा को जोड़ने वाला यह क्षेत्र नदियों, पहाड़ों, पठारों और जंगलों से समृद्ध है और देश की प्राचीनतम परंपराओं का साक्षी रहा है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मभूमि और कर्मभूमि झारखंड में आकर उन्हें तीर्थ यात्रा जैसा अनुभव होता है। बिरसा मुंडा आज पूरे देश में सामाजिक न्याय और जनजातीय गौरव के महान प्रतीक के रूप में सम्मानित हैं। गुमला जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि महान समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी जतरा टाना भगत का जन्म भी इसी धरती पर हुआ था।

संपादकीय

वक्त आत्म–निरीक्षण का

मेसी की झलक– उनका खेल नहीं– दिखाने का जो तमाशा हुआ, वह अजीबोगरीब ही है। इसीलिए अभिनव बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि श्मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वक्त आत्म–निरीक्षण का है। अभिनव बिंद्रा ने वह कहा, जो आखिरकार किसी को कहना चाहिए था। विनेश फोगट ने उसमें अपना स्वर जोड़ा, तो उससे वो बात और वजनदार हुई है। लायोनेल मेसी बेशक फुटबॉल के सर्वकालीन सबसे महान खिलाड़ियों में एक हैं। उनकी उपलब्धियां बेशुमार हैं। इस कारण उनके प्रशंसक भारत सहित दुनिया भर में मौजूद हैं। अतरू लोग मेसी को देखना चाहें, तो उसमें कुछ अजूबा नहीं है। लेकिन जब लोगों की इस इच्छा का भौंडा कारोबारी इस्तेमाल हो, तो उस पर सवाल उठाना जरूरी हो जाता है। तो ओलिंपिक्स में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता ने पूछा है कि क्या एक समाज के तौर पर हम खेल संस्कृति बना रहे हैं, या किंवदंती बन चुकी दूर देश की किसी शख्सियत का उत्सव भर मना रहे हैं। उनकी ये टिप्पणी गौरतलब हैरू श्करोड़ों रुपये मेसी के पास जाने और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए खर्च कर दिए गए। यह बिल्कुल ठीक बात है कि पैसा लोगों का है और यह उनका अधिकार है कि वे इसे कैसे खर्च करें। फिर भी मैं यह सोच कर तकलीफ महसूस करता हूं कि जितनी ऊर्जा एवं धन लगाए गए, उसका एक हिस्सा भी अगर अपने देश में खेल की बुनियाद में लगाया गया होता, तो उससे क्या हासिल हो सकता था।य ओलिंपियन विनेश फोगट ने कहा है– श्मैं उम्मीद करती हूं कि कोई वक्त आएगा, जब हम सिर्फ एक दिन के लिए नहीं, बल्कि हर दिन के लिए सचमुच खेल के लिए जाग सकेंगे।य इन टिप्पणियों में एक बेमकसद तमाशे को देख कर दो ऐसे खिलाड़ियों का दर्द झलका है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। जिस देश में खिलाड़ियों के आगे बढ़ने की राह में खराब इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की कमी से लेकर यौन शोषण के खतरों तक की बाधाएं आती हों, वहां एक मशहूर विदेशी खिलाड़ी की झलक– उनका खेल नहीं– दिखाने का जो तमाशा हुआ, उस पर आक्रोश ही जताया जा सकता है। इसीलिए बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वक्त आत्म–निरीक्षण का है।

2026 : हिंदू राष्ट्र की धमक

सीधी–सरल भाषा में इस पूरी शाब्दिक कसरत का अर्थ यही है कि मोहन भागवत का संगठन, यह जानते–समझते हुए भी कि यह भारत के वर्तमान संविधान के खिलाफ है, भारत को हिंदू राष्ट्र मानता है और सबसे मनवाने के लिए यानी हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए, काम कर रहा है और करता रहेगा। इसके लिए वह संविधान के ही बदले जाने के भरोसे बैठा तो नहीं रहेगा। हां! संविधान भी अगर उसकी भाषा बोलने लगे तब तो कहना ही क्या? मोदी–शाह ही भाजपा के लिए संघ की सौवीं सालगिरह पर भागवत ने अगला टास्क तय कर दिया हैकृसंविधान बदलकर कर उसमें वह शब्द (हिंदू राष्ट्र) जुड़वाना आरएसएस के सौ साल पूरे होने के मौके पर देश के अलग–अलग हिस्सों में आयोजित की जा रही व्याख्यान शृंखला में उसके सर–संघचालक, मोहन भागवत 2025 के आखिरी पखवाड़े में कोलकाता में बोल रहे थे। यहां बोलते हुए भागवत ने कुछ ऐसा कहा जो पहली नजर में बहुतों को आरएसएस की जानी–पहचानी लफ्फाजी का दोहराव लग सकता है, लेकिन थोड़ा गौर से देखते ही उसकी खतरनाक अर्थध्वनियां सुनाई देने लगती हैं। प्रकटतरू तो भागवत आरएसएस का जाना–पहचाना दावा ही दुहरा रहे थे कि भारत एक हिंदू राष्ट्र था, है और रहेगा! श्जब तक इस देश में एक व्यक्ति भी भारतीय पूर्वजों की गौरवाशाली विरासत में विश्वास करता है, तब तक भारत एक हिंदू राष्ट्र हैश, आदि। लेकिन, इस व्याख्यान में आरएसएस के मुखिया संभवतरू पहली बार, भारत के हिंदू राष्ट्र होने के अपने दावे को, उस भारतीय संविधान के ही सामने खड़ा कर देते हैं, जो स्पष्ट रूप से भारत के एक धर्मनिरपेक्ष, बहुलवादी राष्ट्र होने की संकल्पना पर आधारित है। बेशक, भागवत हिंदू राष्ट्र के अपने दावे को, उपनिवेशविरोधी राष्ट्रवादी संघर्ष की कोख से निकले और आंबेडकर की कलम के माध्यम से, सामाजिक बराबरी और भाईचारे की रौशनाई से लिखे गए, संविधान के साथ सीधे टकराने से बचाकर निकालने की कोशिश करने की चतुराई भी बरतते हैं और प्रकटतरू यह दावा करने पर खुद को रोक भी लेते हैं कि इसके लिए संविधान की मंजूरी की जरूरत नहीं है कि शहिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र हैश। फिर भी वह संविधान की मंजूरी होने या होने से फर्क ही नहीं पड़ने की इस झूठी मुद्रा पर ही नहीं रुके रहते हैं। वह खुलेआम राजनीति के मैदान में उतरते हुए, इसकी अनिष्टकर संभावना की ओर भी इशारा करते हैं कि श्अगर संसद कभी संविधान में संशोधन कर वह शब्द जोड़ने का फैसला करती है. ..श्य वह शब्द यानी हिंदू राष्ट्र। यह दूसरी बात है कि इस संभावना के जिक्र के साथ भी वह यह जोड़ना नहीं भूलते हैं कि संसद अगर ऐसा श्न भी करे, तो हमें उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें उस शब्द की परवाह नहीं है, क्योंकि हम हिंदू हैं और हमारा राष्ट्र हिंदू राष्ट्र है। यही सच्चाई है।श्सीधी–सरल भाषा में इस पूरी शाब्दिक कसरत का अर्थ यही है कि मोहन भागवत का संगठन, यह जानते–समझते हुए भी कि यह भारत के वर्तमान संविधान के खिलाफ है, भारत को हिंदू राष्ट्र मानता है और सबसे मनवाने के लिए यानी हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए, काम कर रहा है और करता रहेगा। इसके लिए वह संविधान के ही बदले जाने के भरोसे बैठा तो नहीं रहेगा। हां! संविधान भी अगर उसकी भाषा बोलने लगे तब तो कहना ही क्या? मोदी–शाह ही भाजपा के लिए संघ की सौवीं सालगिरह पर भागवत ने अगला टास्क तय कर दिया हैकृसंविधान बदलकर कर उसमें वह शब्द (हिंदू राष्ट्र) जुड़वाना! और साल के उसी अंतिम पखवाड़े में मोदी–शाह की हुकूमत क्या कर रही थी? देश की आबादी का कुल 2.3 फीसदी हिस्सा बनाने वाले ईसाइयों के सबसे बड़े धार्मिक त्यौहार पर, जो वैसे भी सबसे प्रेम तथा सौहार्द्र व मेल–जोल के संदेश के लिए ही जाना जाता रहा है, मोदी–शाह की भाजपा समेत, समूचे आरएसएस विचार परिवार के सरासर अकारण हमलों को, सामान्य बनाने की कोशिश की जा रही थी। भागवत के उपदेश की तरह, इस मामले में मोदी–शाह की हुकूमत दुहरी चाल चल रही थी। एक ओर संघ विचार परिवार के हिस्से के तौर पर, सिर्फ बजरंग दल, विहिप आदि जैसे कथित रूप से हाशिए के संगठन ही नहीं, केंद्र में मोदीशाही से लेकर, उत्तर प्रदेश में योगीशाही तक, धर्मनिरपेक्ष संविधान के अंतर्गत चुनी गयी भाजपायी सरकारें तक, एक त्यौहार के रूप में क्रिसमस को ही नकारने में लगी हुई थीं। केंद्र ने 25 दिसंबर को क्रिसमस की जगह तथाकथित सुशासन दिवस मनाने से जो शुरूआत की थी, उसे इस बार उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड जैसे भाजपा–शासित राज्यों में क्रिसमस की छुट्टी ही रद्द करने तक पहुंचा दिया। वहां इस मौके पर व्यापक स्तर पर अटलबिहारी वाजपेयी का जन्म दिन मनाया गया, जिसके लिए बच्चों को खासतौर पर स्कूलों में बुलाया गया। इस मौके पर स्वयं प्रधानमंत्री ने लखनऊ में एक विशाल कार्यक्रम में 230 करोड़ रु. की लागत से बने श्श्राष्ट्रीय प्रेरणा स्थलश्श और हार्मनी पार्क का उद्घाटन किया। अपने श्शहिंदू राजश्श की, वाजपेयी के जन्म दिन से क्रिसमस को प्रतिस्थापित करने की इस तरह की कोशिशों से प्रेरणा पाकर, भाजपा समेत संघ परिवार के विभिन्न संगठनों ने देश के विभिन्न हिस्सों में, जाहिर है कि ज्यादातर भाजपा–शासित राज्यों में, क्रिसमस के आयोजनों को अभूतपूर्व हमलों और तोड़–फोड़ का निशाना बनाया। असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखंड तथा कुछ अन्य राज्यों में, क्रिसमस की पूर्व–संध्या से लेकर क्रिसमस के दिन तक, हमले की ऐसी घटनाएं घट ही रही थीं।

2025 में जब जब दुनिया डगमगाई, मोदी ने आगे बढ़कर संभाल लिया

नीरज

एनडीए के भीतर मतभेदों को साधते हुए मोदी ने सहयोगी दलों को एकजुट रखा और नए सहयोगियों को जोड़कर गठबंधन का विस्तार भी किया। उनका नेतृत्व सहयोगियों में विश्वास पैदा करने वाला रहा, जिससे एनडीए एक मजबूत और अनुशासित राजनीतिक परिवार के रूप में सामने आया। साल 2025 भारतीय राजनीति और वैश्विक कूटनीति के लिहाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की विजयगाथा के रूप में दर्ज हो गया। यह वर्ष केवल मोदी की चुनावी सफलताओं का नहीं रहा, बल्कि भारत की रणनीतिक सोच, आर्थिक मजबूती, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के विस्तार का भी साक्षी बना। मोदी ने एक बार फिर यह साबित किया कि उनका नेतृत्व केवल सत्ता संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र को दिशा देने, संकट में निर्णय लेने और दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराने का सामर्थ्य रखता है। 2025 में विभिन्न राज्यों और स्थानीय निकायों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सफलता के पीछे नरेंद्र मोदी की चुनावी रणनीति और नेतृत्व की स्पष्ट छाप दिखाई दी। मोदी ने जहां एक ओर सुशासन, विकास और राष्ट्रवाद को केंद्रीय मुद्दा बनाए रखा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने, लाभार्थी वर्ग से सीधा संवाद स्थापित करने और विपक्ष की कमजोरियों को उजागर करने की उनकी रणनीति ने भाजपा को बढ़त दिलाई। एनडीए के भीतर मतभेदों को साधते हुए मोदी ने सहयोगी दलों को एकजुट रखा और नए सहयोगियों को जोड़कर गठबंधन का विस्तार भी किया। उनका नेतृत्व सहयोगियों में विश्वास पैदा करने वाला रहा, जिससे एनडीए एक मजबूत और अनुशासित राजनीतिक परिवार के रूप में सामने आया। इसके अलावा, साल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी का रुख पूरी तरह स्पष्ट और सख्त रहा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों और उनके ठिकानों पर कार्रवाई कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल आतंकी घटना की निंदा तक सीमित नहीं रहेगा। यह कार्रवाई न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण थी, बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी दुनिया को यह समझाने में सफल रही कि भारत आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर अडिग है। मोदी के इस साहसिक निर्णय ने देशवासियों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की छवि एक निर्णायक शक्ति के रूप में और सुदृढ़ हुई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी–भरकम टैरिफ और दबावों के बावजूद मोदी ने भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया। रूस के साथ ऐतिहासिक मित्रता को कायम रखते हुए भारत ने ऊर्जा, रक्षा और कूटनीति के क्षेत्रों में संतुलित नीति अपनाई। मोदी का स्पष्ट संदेश रहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों पर किसी भी बाहरी दबाव को हावी नहीं होने देगा। रूस के साथ संबंधों को मजबूत रखना और साथ ही अमेरिका तथा यूरोप के साथ भी संतुलन बनाए रखना मोदी की बहुपक्षीय कूटनीति का उदाहरण है। इसके अलावा, 2025 में भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा। वैश्विक मंदी और महंगाई के दौर में भी भारत ने स्थिरता और विकास दोनों को साधा। मोदी

सरकार की नीतियों के चलते महंगाई नियंत्रण में रही, ब्याज दरें अपेक्षाकृत कम बनी रहीं और निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, स्टार्टअप और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की नीतियों ने रोजगार सृजन और विकास को गति दी। 'जीएसटी उत्सव' के माध्यम से मोदी सरकार ने कर सुधारों की सफलता को जन–जन तक पहुंचाया। जीएसटी ने न केवल कर प्रणाली को सरल बनाया, बल्कि राज्यों की आय बढ़ाने और व्यापार सुगमता में भी अहम भूमिका निभाई। 2025 में जीएसटी संग्रह के नए रिकॉर्ड बने, जिसने सरकार को विकास योजनाओं के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराए और अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2025 में वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को और बुलंद किया। ग्लोबल साउथ के मुद्दों को विश्व पटल पर मजबूती से उठाते हुए उन्होंने विकासशील देशों की समस्याओं, जलवायु न्याय और समावेशी विकास की वकालत की। उनकी चीन यात्रा ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा और यह संकेत दिया कि भारत संवाद के साथ–साथ अपने हितों की रक्षा करना भी जानता है। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिल्ली आमंत्रित कर मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत वैश्विक शक्ति संतुलन में स्वतंत्र और प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। इसके अलावा, 2025 में मोदी ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती दी। धार्मिक स्थलों के विकास के जरिये स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के साथ ही सांस्कृतिक आयोजनों और योग व आयुष के प्रचार ने भारत की सॉफ्ट पावर को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। इसके अलावा, विदेशों में फंसे भारतीयों को सुरक्षित निकालना हो या प्राकृतिक आपदाओं में अन्य देशों की मदद करना हो, मोदी सरकार ने हर संकट में तत्परता दिखाई। इससे भारत की छवि एक जिम्मेदार और संवेदनशील वैश्विक शक्ति के रूप में उभरी। बहरहाल, साल 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की बहुआयामी विजयगाथा का प्रतीक बनकर सामने आया। चुनावी सफलता, राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और वैश्विक नेतृत्व जैसे मोर्चों पर मोदी ने अपने निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व की छाप छोड़ी। यह वर्ष न केवल उनके राजनीतिक कद को और ऊंचा कर गया, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और सामर्थ्य की कहानी भी दुनिया के सामने रख गया।

अतीत से सबक, आगत से उम्मीद

उमेश

समय का पहिया चलता रहता है। समय के चाक पर हर आगत पल वर्तमान बनता है और फिर अतीत के गोद में समा जाता है। जाते–जाते वह अपनी छाप ही नहीं छोड़ता, कुछ सीख भी दे जाता है। अतीत से प्राप्त अनुभव और सीख की कसौटी पर वह वर्तमान को कसता है और चाहता है कि आने वाला पल अतीत की तुलना में बेहतर गुजरे। मनुष्य की चाहत ऐसी ही होती है। वक्त के पहिये पर सब मनमुताबिक ही घटे–चले तो फिर जीवन चक्र का रोमांच ही खत्म हो जाए। फिर भी मानव की फितरत है, वह आगत को अपने हिसाब से ही घटित होते देखना और भोगना चाहता है। लेकिन क्या ऐसा हो पाता है? अतीत की घटनाएं और भविष्य के नतीजे आने वाले दिनों पर अपना असर जरूर डालते हैं। इसी वजह से राजनीति हर बार आने वाली घटनाओं के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने की कोशिश करती है, उसे अपने हिसाब से घटित करने का प्रयास करते रहती है। महज दो दिनों बाद ग्रेगोरियन कैलेंडर के पन्ने नए हो जाएंगे। इस नए साल में भी राजनीति चुनावी रणनीति बनाने और उन चुनावों से अपने मनमुताबिक नतीजे हासिल करने की कोशिश में जुटी रहेगी। इस नए यानी साल 2026 में देश के प्रमुख पांच राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इन चुनावों की आहट में राजनीति की दुनिया की पेशानियों पर बल पड़ने लगे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। इसकी वजह है कि इन राज्यों के चुनाव नतीजे तय करेंगे कि आने वाले दिनों में राजनीति की दिशा क्या होगी? इनके नतीजे ही तय करेंगे कि आने वाले दिनों में कमल खिलता रहेगा या हाथ को भारत का साथ मिलेगा। इन नतीजों पर ही निर्भर करेगा कि भारत का भावी नेतृत्व कैसा होगा। यूं तो हर राज्य के विधानसभा चुनाव अपने आप में अहम् होते हैं, लेकिन साल 2026 में होने वाले चुनाव बेहद खास होने जा रहे हैं। असम में विगत दो बार से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां की 126 सीटों में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 75 सीटें जीती थीं। जिनमें भारतीय जनता पार्टी के खाते में 60 सीटें गई थीं, वहीं उसकी सहयोगी असम गणपरिषद को नौ और अन्य सहयोगी दलों को छह सीटें मिली थीं। जबकि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन को 50 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस ने यहां की जिम्मेदारी अपने तेजतर्रार नेता गौरव गोगोई को दी है। जबकि बीजेपी की अगुआई मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा के हाथ है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद राज्य की मतदाता सूची से 10.56 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। कांग्रेस की पूरी कोशिश बीजेपी के हाथ से सत्ता छीनने की है तो बीजेपी की कोशिश उत्तर पूर्व के इस सबसे बड़े राज्य में अपने झंडे को गाड़े रखना है। अगर बीजेपी बनी रही तो उत्तर पूर्व के बहाने उसका राष्ट्रवादी सोच का कारवां बढ़ता रहेगा, लेकिन अगर कांग्रेस सेंध लगाने में सफल रही तो उससे इलाके में कांग्रेसी आधार को जुटाने को बल मिलेगा। असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी असम की तरह बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा गर्म है। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में 294 सदस्यीय विधानसभा में 213 सीटों पर जीत हासिल करके ममता बनर्जी ने सनसनी फैला दी थी, जबकि सत्ता की दावेदार मानी जा रही बीजेपी को महज 77 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इस बार एसआईआर के चलते राज्य के 7. 66 करोड़ मतदाताओं में से 56 लाख के नाम हटाए जा चुके हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग को करीब 20 लाख मतदाता अब भी संदिग्ध लग रहे हैं। आयोग के लिहाज से ये मतदाता पहली बार पंजीकृत हुए हैं और इनकी उम्र पैंतालिस साल और उससे ज्यादा है। सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाता अगर राज्य के हैं तो वे अब तक कहां थे और उन्होंने वोटर लिस्ट में नाम क्यों नहीं डलवाया था और अगर राज्य से बाहर थे तो अचानक ही वे यहां क्यों लौट आए। जाहिर है कि इन नए वोटरों और हटाए गए नाम वाले वोटरों की संख्या को लेकर संदेह की स्थिति है। इसे लेकर ममता की तृणमूल कांग्रेस पार्टी जहां आक्रामक है, वहीं बीजेपी नए जुड़े करीब 20 लाख संदिग्ध वोटरों को लेकर जवाबी तौर पर हमलावर है। बहरहाल यह तय है कि इन मुद्दों पर ही राज्य के भावी विधानसभा नतीजे तय होंगे। ऐसे में अगर ममता अपना किला बचाए रखती हैं तो तय है कि बीजेपी के पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी के गृहराज्य में भगवा झंडा फहराने का उसका सपना अधूरा रहेगा। फिर ममता के पास तर्क होगा कि आने वाले दिनों में वे ही बीजेपी को केंद्रीय स्तर पर चुनौती दे सकती हैं। अगर नतीजे इसके उलट रहे तो बीजेपी कह सकती है कि आने वाले दिनों में उसके सामने कोई चुनौती नहीं रहने वाली। एक दौर में पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और केरल की ख्याति वामपंथ के गढ़ के रूप में रही है। लेकिन विगत दो चुनावों से यहां वामपंथी किला बचा हुआ है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि केंद्रीय स्तर पर बीजेपी के खिलाफ खड़ा केरल का वामपंथ कांग्रेस के साथ है। लेकिन राज्य में उसकी लड़ाई कांग्रेस के ही साथ है। वैसे इसी दिसंबर में हुए नगर निकाय चुनावों में बीजेपी ने राज्य की राजधानी तिरूअनंतपुरम् पर कब्जा कर लिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वाधिक सक्रियता वाले राज्यों में शुमार होने के बावजूद केरल अब भी बीजेपी के लिए प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। इस बार भी माना जा रहा है कि लड़ाई वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे के ही बीच रहेगी। बीजेपी की कोशिश इस चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाने की ही रहेगी। अगर वह ऐसा करने में सफल रहती है तो सही मायने में अखिल भारतीय पार्टी बनने का वह दावा कर सकती है। अगर वामपंथ यहां से इस बार सत्ता से दूर होता है तो उसकी वापसी की संभावना क्षीण होगी। उसके लिए खतरा यह होगा कि विपक्षी भूमिका में बीजेपी खुद को उभारने की कोशिश करेगी और वह वामपंथ को धीरे–धीरे उसी तरह गायब कर देगी, जैसे उसने त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में कर दिया है। अगर कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे को जीत मिलती है तो उससे पार्टी का मनोबल बढ़ सकता है। तब बीजेपी विरोधी उसकी केंद्रीय भूमिका को नयी ताकत मिल सकती है। केरल की ही तरह पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भी बीजेपी तीसरा कोना बनने की कोशिश में लगातार जुटी हुई है। राज्य की 234 सीटों वाली विधानसभा में पिछली बार द्रविड़ मुनेत्र कषगम् यानी डीएमके वाले मोर्चे को 133 सीटों पर जीत मिली थी। इस बार बीजेपी विपक्षी अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में उतर कर डीएमके के मोर्चे को पटखनी देने की कोशिश में है। बीजेपी ने राज्य में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की प्रक्रिया के तहत यहीं के सी पी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचा चुकी है। अगर बीजेपी राज्य में अन्नाद्रमुक के साथ अहम उपस्थिति बनाने में सफल रहती है तो वह राष्ट्रीय स्तर पर कह सकती है कि आने वाले दिनों में राज्य में भी वह मजबूत संख्याबल हासिल कर सकती है। केरल और तमिलनाडु में गंभीर उपस्थिति दक्षिण के प्रश्न प्रदेश को हल करने का मजबूत जरिया बनेगी। लेकिन अगर डीएमके मोर्चा जीतता है तो तय है कि हिंदुत्व विरोधी आक्रामक बयानबाजी का केंद्र दक्षिण बना रहेगा। इसका असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। मोटे तौर पर कह सकते हैं कि अगर असम में बीजेपी अपनी उपस्थिति बनाए रखती है, बंगाल के किले पर फतह कर लेती है और तमिलनाडु और केरल में अहम उपस्थिति बना लेती है तो माना जाएगा कि उसका राजनीतिक अश्वमेध का घोड़ा दौड़ता रहेगा, लेकिन अगर वह ऐसे नतीजे लाने में नाकाम रही तो उसकी भावी राजनीति भी प्रभावित होगी। इससे कांग्रेसी खेमा नए उत्साह में होगा।

एक लकीर खींच इजरायल ने 21 देशों की संसद में ला दिया भूचाल

अभिनय

दुनिया के नक्शे पर एक लकीर खींचते ही कैसे 21 देशों की संसद में भूचाल आ सकता है। इसका जीता जागता सबूत 26 दिसंबर 2025 को पूरी दुनिया ने अपनी आंखों से देखा। ना कोई मिसाइल चली, ना कोई बम गिरा और ना ही किसी बॉर्डर पर सेना ने कदम रखा। लेकिन फिर भी सऊदी अरब से लेकर पाकिस्तान और तुर्की से लेकर ईरान तक हर जगह मातम जैसा सन्नाटा और फिर हो हल्ला मच गया। यह खलबली किसी छोटे–मोटे मुद्दे पर नहीं बल्कि एक ऐसे मास्टर स्ट्रोक पर है जिसने तथाकथित इस्लामिक ब्रदरहुड की दुखती रग पर हाथ रख दिया है। मामला सिर्फ जमीन के एक टुकड़े को देश मानने का नहीं है बल्कि उस समुद्री रास्ते पर कब्जा करने का है जहां से दुनिया का 40: व्यापार गुजरता है। भारत के सबसे भरोसेमंद साथी इजराइल ने अफ्रीका के सींग यानी हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर एक ऐसा दांव खेला है जिसे देखकर भारत के दुश्मनों को दिन में ही तारे नजर आने लगे हैं। इजराइल ने सोमाली लैंड को मान्यता दी तो इस्लामिक देश आग बबूला हो गए। लेकिन सबसे ज्यादा तुर्की तिलमिलाया हुआ है। सऊदी समेत कई सारे देश खफा हो गए हैं। सोमालीलैंड क्योंकि गल्फ ऑफ एडेन और लाल सागर दोनों के काफी करीब है। दरअसल, इजराइल ने सोमाली लैंड को ऐसे वक्त में मान्यता दी है जब पूरा लाल सागर क्षेत्र पहले से ही अस्थिर है। विद्रोहियों के हमले, ईरान की बढ़ती दखल अंदाजी और वैश्विक व्यापार पर मंडराता खतरा इन सबके बीच नेतन्या का फैसला यह कोई ऐसे ही लिया गया फैसला नहीं है बल्कि पूरी तरह रणनीतिक है। दुनिया का करीब 12: समुद्री व्यापार इसी रास्ते से गुजरता है। पहले सोमाली समुद्री लुटेरों का भी आतंक यहां पर रहा। सोमाली ललैंड हॉर्न ऑफ अफ्रीका में मौजूद है। इसके पड़ोसी देश हैं इथियोपिया जिबूती और सबसे बड़ी बात सोमाली लैंड गल्फ ऑफ एडेन और लाल सागर दोनों के बहुत ज्यादा करीब है। इन दोनों समुद्री रास्तों को अलग करता है बाब अल मंडेब जलडरू मध्य। यह वही चौक पॉइंट है जहां से होकर यूरोप, एशिया और अफ्रीका को जोड़ने वाले समुद्री व्यापारी गुजरते हैं। इसलिए इसे विश्व स्तर पर काफी संवेदनशील भी माना जाता है। अमेरिका का रुख इजराइल से अलग है। ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने सोमाली लैंड को मान्यता देने पर सोचा नहीं है। उन्होंने मान्यता देने के सवाल पर कहा, नहीं। इजराइल ने सोमाली लैंड को उस वक्त मान्यता दी है जब लाल सागर क्षेत्र पहले से अस्थिर है। ने लाल सागर से गुजरने वाले कारगो जहाजों पर हमले किए हैं जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है। ऐसे में सोमाली लैंड में अपनी राजनीतिक पकड़ को मजबूत कर इजराइल ने तुर्की के पैरों तले जमीन खिसका दी है। दावा किया जा रहा है कि इजरायल वहां अपनी इंटेलिजेंस का विस्तार करेगा। लॉजिस्टिक और नौसैनिक पहुंच को बढ़ाएगा। इसलिए इजराइल का सोमाली लैंड को मान्यता देना प्रतीकात्मक नहीं बल्कि रणनीतिक है। पहला फायदा सोमालैंड की लोकेशन इजराइल को लाल सागर और गल्फ ऑफ एडन जैसे समुद्री वैश्विक चौक जो हैं पॉइंट पर निगरानी और प्रभाव बढ़ाने का मौका मिलेगा। दूसरा पॉइंट सोमाइलीलैंड के रास्ते इजराइल को अब ईरान समर्थित हूं विद्रोहियों के खिलाफ मिलिट्री इंटेलिजेंस मिल पाएगी। यूएई पहले से ही सोमालैंड में पोर्ट और लॉजिस्टिक में निवेश कर चुका है। सोमाली लैंड में इजराइल की पकड़ मजबूत होने का सीधा फायदा नई दिल्ली को मिलेगा इजराइल की एंट्री का सीधा मतलब है तुर्की के प्रभाव को चुनौती और पाकिस्तान पाकिस्तान तो बस बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना उसकी अपनी अर्थव्यवस्था की सांसे फूल रही हैं। लेकिन उसे अफ्रीका के नक्शे की चिंता सता रही है। पाकिस्तान का डर यह है कि अगर आज सोमाली लैंड को मान्यता मिल गई तो कल को बलूचिस्तान भी यही मांग उठा सकता है। यह डर ही है जिसने इन तमाम देशों को एक कागज पर दस्तखत करने के लिए मजबूर कर दिया है। यह बयान में कह रहे हैं कि यह फिलिस्तीनी लोगों को

उनकी जमीन से निकालने की साजिश से जुड़ा है। लेकिन इजराइल की यह चाल भारत के लिए एक लॉटरी लगने जैसी है। भारत का बहुत बड़ा व्यापार लाल सागर और स्वेज नहर के रास्ते होता है। पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि कैसे तुर्की और पाकिस्तान मिलकर भारत के खिलाफ एक गठजोड़ बनाने की कोशिश कर रहे थे। तुर्की तो खुलकर कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान वंड का साथ देता आया है। अब इजराइल ने तुर्की की दुखती रग सोमालिया पर हाथ रखकर उसे अपने ही घर में उलझा दिया है। इसे कहते हैं बिना लड़े युद्ध जीतना। इसके अलावा भारत को अब सोमाली लैंड के रूप में एक नया संभावित साझेदार मिल सकता है। अगर कल को भारत सोमाली लैंड के साथ व्यापारिक या रणनीतिक रिश्ते बनाता है तो इजराइल वहां पहले से मौजूद है जो हमारे लिए रेड कारपेट बिछा देगा। हिंद महासागर में चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स थ्योरी को काटने के लिए भारत को अफ्रीका के तट पर मजबूत दोस्तों की जरूरत थी। जिबूती में चीन का मिलिट्री बेस है। ग्वादर में पाकिस्तान चीन की गोद में बैठा है। ऐसे में सोमाली लैंड में इजराइल की मौजूदगी भारत के लिए सुरक्षा कवच का काम करेगी।

प्रदेश में अब 15 जनवरी को खुलेंगे स्कूल, कुछ जिलों में शिक्षकों को बुलाने का दिया गया आदेश फिर बदला

लखनऊ, (संवाददाता)। परिषदीय विद्यालयों में इस साल दो दिन पहले ही जाड़े की छुट्टी हो गई है। इससे बच्चों के साथ शिक्षकों को भी राहत मिली है। हालांकि, कुछ जिलों ने इस दौरान शिक्षकों को बुलाने का आदेश दिया था लेकिन निदेशालय की सख्ती के बाद उन्हें अपना आदेश संशोधित करना पड़ा। परिषदीय विद्यालयों में जाड़े की छुट्टियां यूं तो 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक होती हैं लेकिन इस बार भीषण शीतलहर को देखते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने 29 दिसंबर से एक जनवरी तक 12वीं तक के विद्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। इस तरह विद्यालयों में दो दिन पहले ही जाड़े की छुट्टियां हो गई हैं। अब स्कूल सीधे 15 जनवरी को खुलेंगे। अमेठी, प्रतापगढ़ जैसे कुछ जिलों ने छुट्टियों में शिक्षकों को विद्यालय आने और आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए थे। मामला बेसिक शिक्षा निदेशालय के संज्ञान में आया और वहां के कड़े निर्देश के बाद इन जिलों ने भी अपने यहां संशोधित आदेश जारी कर दिया।

इससे शिक्षकों को भी इस कड़ी ठंड में स्कूल जाने से राहत मिल गई है। अब वे भी सीधे 15 जनवरी को विद्यालय जाएंगे। प्रदेश में ठंड का कहर जारी है। सोमवार को भी प्रदेश के कई जिलों में सुबह कोहरे का असर रहा। कानपुर में सुबह दृश्यता शून्य दर्ज की गई तो वहीं कई अन्य जिलों में भी 100 मीटर से कम दृश्यता रही। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को दिन के तापमान में सामान्य से 4–5 डिग्री की गिरावट के आसार हैं। कई जिलों में घने कोहरे के साथ शीत दिवस की चेतावनी भी जारी की गई है। पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सोमवार को कई जगह घना से अधिक घना कोहरा रहा और लोग ठंड से कांपते नजर आए। ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी रहने के आसार हैं और संभाग में कई जगह शीत दिवस की चेतावनी भी जारी की गई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश के अनुसार, सोमवार सुबह कानपुर में शून्य दृश्यता के साथ ही आगरा में दृश्यता 30 मीटर, अलीगढ़ और मेरठ में 40 मीटर, हरदोई में 60 मीटर, फतेहपुर में 70 मीटर और बिजनौर व नजीबाबाद में 80 मीटर दृश्यता दर्ज की गई। मंगलवार को कई अन्य जिलों में तापमान में सामान्य से 4–5 डिग्री की गिरावट के साथ घने कोहरे के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान बाराबंकी और फतेहपुर में 8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं बुलंदशहर और हरदोई में 8.5 डिग्री और मेरठ में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री रहा।

पीएचडी के दौरान नौकरी कर रहे हैं तो देना होगा एनओसी

लखनऊ, (संवाददाता)। नेशनल पीजी कॉलेज में शैक्षिक सत्र 2025–26 में पीएचडी विद्यार्थियों के कोर्सवर्क की शुरुआत से पहले ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। इसमें प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि छह माह का कोर्सवर्क किया जाएगा। यदि कोई कहीं नौकरी कर रहा है तो वहां से एनओसी लेकर आना होगा। साथ ही कोर्सवर्क के दौरान नौकरी नहीं कर सकेंगे। छह माह के बाद प्रेजेंटेशन होगा। चार–चार क्रेडिट के दो पेपर होंगे। प्रथम पेपर अपने विषय व दूसरा पेपर रिसर्च मेथोडोलॉजी का होगा। दो–दो क्रेडिट के दो पेपर होंगे। इसमें पहला रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स और दूसरा डिजिटल लिट्रेसी एंड लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी के होंगे।

संक्षिप्त खबरें

आयकर विभाग की लुलु मॉल पर बड़ी कार्रवाई, 27 करोड़ टैक्स न देने पर कंपनी का बैंक खाता फ्रीज

लखनऊ, (संवाददाता)। आयकर विभाग ने लुलु मॉल का बैंक खाता फ्रीज कर दिया है। जानकारी अनुसार, 27 करोड़ रुपये के आयकर का भुगतान न किए जाने पर यह कदम उठाया गया। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान कर देनदारी और लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेजों की समीक्षा की गई, जिसमें कर चोरी के संकेत मिले। आयकर विभाग का कहना है कि बकाया कर राशि को लेकर कंपनी को पहले नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन तय समयसीमा में भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद विभाग ने कानून के तहत बैंक खाता फ्रीज करने की कार्रवाई की।

राजधानी में ईंट से कूचकर फेरी दुकानदार की हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सोमवार की रात फेरी लगाकर लइया–चना बेचने वाले युवक की हत्या कर दी गई। लोगों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना विकास नगर थाना क्षेत्र की है। यहां सुबह लालाराम वर्मा (50) की खून से लथपथ लाश मिली। ईंट से कूचकर हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। वह सीतापुर जिले के लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले थे। यहां पर फेरी लगाकर लइया–चना बेचते थे। सूचना पर एसीपी गाजीपुर पुलिस टीम के साथ पहुंचे। मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पास के सीसीटीवी में दो संदिग्ध युवक मृतक पर हमला करते दिख रहे हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। परिवार में पत्नी और चार वर्षीय बेटी का रो–रोकर बुरा हाल है।

माघ मेले के लिए परिवहन निगम की तैयारियां पूरी, लखनऊ परिक्षेत्र से चलेंगी 500 बसें

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के प्रयागराज में लगने वाले माघ मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए परिवहन निगम के लखनऊ परिक्षेत्र ने तैयारी पूरी कर ली है। लखनऊ परिक्षेत्र के तहत आने वाले डिपो से 500 बसें चलाई जाएंगी। 50 बसें रिजर्व में रहेंगी और 100 बसें अमृत स्नान पर्वों पर अतिरिक्त चलाई जाएंगी। लखनऊ के क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि बेलाकछार व झूंसी–पटेलनगर में दो अस्थायी बस स्टेशन बनाए गए हैं। बेलाकछार अस्थायी बस अड्डे के लिए रायबरेली डिपो से 110, चारबाग से 80, अवध बस अड्डे से 50, आलमबाग टर्मिनल से 30 और बाराबंकी से 30 समेत कुल 300 बसों का संचालन होगा। इसमें 205 बसें निगम की और 95 अनुबंधित होंगी। ऐसे ही झूंसी–पटेलबाग अस्थायी बस स्टेशन के लिए कैसरबाग बस डिपो से 75 बसें दी जाएंगी तथा 25 रिजर्व में रहेंगी। उपनगरीय डिपो से 10 और हैदरगढ़ की 90 बसें रहेंगी। इसमें 65 का संचालन होगा, 25 रिजर्व में रहेंगी। इस तरह कुल 200 बसों का संचालन होगा। इसमें 150 निगम की और 50 अनुबंधित बसें होंगी।

लविवि के विद्यार्थियों ने बनाई स्मार्ट खेती की राह, प्रोजेक्ट ग्रांट में चयन

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीटेक छात्रों की नवाचारी परियोजना 'कृषि सखी एवं डाटा–ड्रिवन स्मार्ट एग्रीकल्चर डिसीजन सपोर्ट सिस्टम' का चयन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी– यूपी) की प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम के तहत किया गया है। यह परियोजना किसानों को खेती से जुड़े अहम निर्णयों में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से सहायता प्रदान करेगी। इस परियोजना पर बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र रत्नेश त्रिपाठी, कृष्णा यादव, अभिषेक पांडेय और आदित्य मौर्य कार्य कर रहे हैं। छात्र कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पांडेय के निर्देशन में परियोजना को आगे बढ़ाएंगे। परियोजना का उद्देश्य 'कृषि सखी' परियोजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को फसल चयन, उर्वरक प्रबंधन और सिंचाई योजना जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों में डाटा आधारित वैज्ञानिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। यह प्रणाली पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए एआई आधारित स्मार्ट निर्णय लेने में मदद करेगी, जिससे उत्पादकता में वृद्धि, लागत में कमी और जोखिम प्रबंधन संभव हो सकेगा। परियोजना के तहत विकसित मोबाइल एप के माध्यम से किसानों को उनकी भूमि, स्थान, मिट्टी की स्थिति और फसल इतिहास के आधार पर रीयल–टाइम कृषि सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें कीट–रोग चेतावनी, सिंचाई एवं उर्वरक सुझाव तथा बाजार से जुड़ी अहम जानकारी भी शामिल होगी। परियोजना के प्रोटोटाइप का प्रदर्शन अप्रैल 2026 में प्रस्तावित है।

लखनऊ में 19 जनवरी से होगा देशभर के विधानसभा अध्यक्षों का सम्मेलन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया कि लखनऊ में 19 से 21 जनवरी तक देश की सभी विधानसभा एवं विधान परिषदों के अध्यक्षों और सभापतियों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 31 विधानसभा अध्यक्ष तथा छह राज्यों– आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश की विधान परिषदों के सभापति भाग लेंगे। विधानभवन में आयोजित प्रेस वार्ता में सतीश महाना ने बताया कि तीन दिन चलने वाले इस सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला करेंगे, जबकि 21 जनवरी को समापन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होंगे। 22 जनवरी को सभी पीठासीन अधिकारियों को अयोध्या भ्रमण कराया जाएगा।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र की उपलब्धियां भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि 19 से 24 दिसंबर तक चले विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही एक बार भी स्थगित नहीं हुई और सभी निर्धारित विधायी कार्य पूरे किए गए। इस अवधि में सदन की कुल कार्यवाही 24 घंटे 50 मिनट तक चली। महाना ने बताया कि सत्र के दौरान कुल 2776 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें अल्पसूचित तारांकित प्रश्न 1, तारांकित प्रश्न 451 और अतारांकित प्रश्न 1842 रहे। कुल प्राप्त प्रश्नों में से 2650 प्रश्न (95.46 प्रतिशत) ऑनलाइन माध्यम से सदस्यों द्वारा भेजे गए, जिन्हें पब्लिक पोर्टल पर भी उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान कुल 408 याचिकाएं प्राप्त हुईं, जबकि तृतीय सत्र में नियम–311 के अंतर्गत कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई। शीतकालीन सत्र के दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों को भी पारित किया गया।

संक्षिप्त खबरें

कथा के समापन पर लगा भंडारा

लखनऊ, (संवाददाता)। सदर हाता रामदास स्थित शिव श्याम मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर सोमवार को भंडारा हुआ। समापन कथावाचक आचार्य विष्णु शरण भारद्वाज ने यज्ञ कराया। कहा कि कथा का सार व्यक्ति के आचरण में झलकना चाहिए। पंडित राजेंद्र कुमार पांडेय, मुख्य यजमान प्रीति सिन्हा, विजेंद्र अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, जवाहर लाल बड़ौदा, बृजमोहन अग्रवाल आदि लोगों ने हवन कर सुख–शांति की कामना की। भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शिव श्याम मंदिर समिति की ओर से यह आयोजन कराया गया।

कविताओं से व्यक्त किया मां का त्याग

लखनऊ, (संवाददाता)। हजरतगंज स्थित प्रेस क्लब में सोमवार को उत्तर प्रदेश साहित्य सभा की ओर से 164वां सृजन समारोह हुआ। इसमें मां पर आधारित कविताएं पेश की गईं। कविताओं के जरिये मां के त्याग, प्रेम और करुणा का वर्णन किया। मुख्य अतिथि उप्र पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी रहे। विशिष्ट अतिथि उमेश प्रकाश रहे। संस्थापक सर्वेश अस्थाना ने घोषणा की कि सृजन मां विशेषांक का प्रकाशन किया जाएगा। अध्यक्षता सच्चिदानंद शलभ, संचालन योगी योगेश शुक्ल और संयोजन मधु पाठक मांझी ने किया। प्रतिभा गुप्ता, रश्मि श्रीवास्तव, निशा सिंह नवल, निर्भय नारायण गुप्त, पंकज प्रसून, राजीव वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

गाजियाबाद से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स यात्रा का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजियाबाद, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका को और सुदृढ़ करते हुए आज गाजियाबाद से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स यात्रा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय उद्योग एवं क्रेता संपर्क पहल को उत्तर प्रदेश सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।यह यात्रा इलेक्ट्रॉनिका इंडिया एवं प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया 2026 के अंतर्गत मेस्से म्यूनिख इंडिया द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को प्रोत्साहित करना, आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करना और क्षेत्रीय उद्योगों तथा क्रेता समूहों के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करना है।इस अवसर पर मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार एक मजबूत, आधुनिक और भविष्य के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स यात्रा जैसे मंच सरकार, उद्योग और बाजार की मांग को जोड़कर निवेश को बढ़ावा देते हैं और क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमताओं को मजबूती प्रदान करते हैं।उत्तर प्रदेश इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिका इंडिया एवं प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया 2026 का मेजबान राज्य है। इसका आयोजन 8 से 10 अप्रैल 2026 तक इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा। इस संस्करण में अब तक 300 से अधिक प्रदर्शकों ने सहभागिता की पुष्टि की है।

पीजी के 29 कोर्सों में 1063 सीटों पर होंगे सीयूईटी से होंगे प्रवेश

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में शैक्षिक 2026–27 में 29 परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में 1063 सीटों पर कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के माध्यम से प्रवेश होंगे। ये निर्णय विश्वविद्यालय में नए सत्र में प्रवेश के लिए सोमवार को हुई पहली प्रवेश समिति की बैठक में लिया गया। इस दौरान प्रवेश प्रक्रिया पूरी किए जाने के लिए रूपरेखा भी तय की गई है। यह भी निर्णय लिया गया कि सीयूईटी परिणाम जारी होने के बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रवेश से जुड़ी विस्तृत सूचना, काउंसिलिंग कार्यक्रम और मेरिट सूची जारी की जाएगी। इस बार वर्ष 2026 में 14 जनवरी तक अभ्यर्थी एनटीए की वेबसाइट के जरिये सीयूईटी पीजी के लिए आवेदन फॉर्म भर सकेंगे। प्रवेश निदेशक प्रो. अनामिका चौधरी मुताबिक सीयूईटी से बीएड व एमएड विशेष शिक्षा (एचआई, आईडी व वीआई), एलएलएम, एमए हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षा, एमबीए, एमकॉम, एमएसडब्ल्यू, एमएससी (भौतिकी, रसायन, आईटी, माइक्रोबायोलॉजी, सांख्यिकी), एमटेक, एमसीए और एमवीए पाठ्यक्रम में प्रवेश लिए जाएंगे। विवि के प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि प्रवेश समिति ने पारदर्शी और समयबद्ध प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही अभ्यर्थियों से नियमित रूप से विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी के लिए अपडेट रहने के लिए कहा। कोर्सवार सीटों का ब्योरा जारी कर दिया गया है। बैठक में प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम रूप रेखा तैयार कर ली गई है। सीयूईटी परिणाम जारी होने के बाद वेबसाइट पर काउंसिलिंग कार्यक्रम और प्रवेश से जुड़ी विस्तृत सूचना जारी की जाएगी। इस बार सभी सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया के लिए समर्थ पोर्टल के जरिये दाखिले लिए जाने हैं।

उत्तर प्रदेश में वृद्धावस्था पेंशन योजना ने वर्ष 2025 में स्थापित किए नए कीर्तिमान

लखनऊ, (संवाददाता)। वृद्धजनों को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन प्रदान करने की दिशा में समाज कल्याण विभाग की वृद्धावस्था पेंशन योजना वर्ष 2025 में और अधिक प्रभावी साबित हुई है। आठ माह के भीतर प्रदेश भर में 9.83 लाख नए पात्र वृद्धजनों को योजना से जोड़ा गया, जिससे कुल पेंशन लाभार्थियों की संख्या 67.50 लाख तक पहुँच गई। यह जानकारी समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने दी।राज्य मंत्री ने बताया कि डिजिटल मॉनिटरिंग, आधार आधारित सत्यापन और सतत निगरानी के माध्यम से वृद्धावस्था पेंशन योजना को और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया गया है। वर्ष 2024 में कुल 61.00 लाख वृद्धजन पेंशन योजना से लाभान्वित हो रहे थे, जो वर्ष 2025 में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ 67.50 लाख हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत समाज के वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा का मजबूत संबल प्रदान किया जा रहा है। योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा नियमित सत्यापन और समीक्षा भी की गई। वर्ष 2024 में 1.77 लाख और वर्ष 2025 में 3.32 लाख मृतक एवं अपात्र लाभार्थियों का नाम पेंशन सूची से हटाया गया, जिससे पेंशन का लाभ केवल वास्तविक और पात्र वृद्धजनों तक ही पहुंचे। विभाग के उप निदेशक अमरजीत सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में 9.83 लाख नए पात्र वृद्धजनों को योजना से जोड़ा गया, जबकि वर्ष 2024 में यह संख्या 7.08 लाख थी। इसके माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी पात्र वृद्धजन पेंशन लाभ से वंचित न रहे।नई व्यवस्था के तहत वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र व्यक्तियों की पहचान और सत्यापन अब 'एक परिवार एक पहचान' (थ्ंउपसल प्च) प्रणाली के माध्यम से स्वतः किया जाएगा। इसके चलते किसी भी पात्र व्यक्ति के 60 वर्ष का होते ही पेंशन राशि सीधे उसके खाते में पहुँचने लगेगी।इस तरह उत्तर प्रदेश सरकार ने वृद्धजनों को सामाजिक सुरक्षा का सशक्त माध्यम उपलब्ध कराते हुए ।

उत्तराखंड महापरिषद के अध्यक्ष बने हरीश पंत, महासचिव भरत सिंह बिष्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तराखंड महापरिषद की आम सभा की बैठक में सोमवार को सर्वसम्मति से 51 सदस्यीय नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान हरीश पंत को पुनरू उत्तराखंड महापरिषद का अध्यक्ष और भरत सिंह बिष्ट को महासचिव चुना गया। इस दौरान पूर्व कार्यकारिणी के कार्यों की प्रशंसा के साथ ही गत दिनों हुए उत्तराखंड महोत्सव की भी समीक्षा की गई। बैठक में मनोनीत चुनाव अधिकारी महेश पांडेय की मौजूदगी में वर्तमान कार्यकारिणी को भंग किया गया। जिसके बाद नई कार्यकारिणी का प्रस्ताव दीवान सिंह अधिकारी की ओर से प्रस्तुत किया गया जिसका समर्थन मंगल सिंह रावत और महेश चंद्र सिंह रौतेला ने किया। आम सभा ने महापरिषद के अध्यक्ष पद पर हरीश चंद्र पंत और महासचिव पद पर भरत सिंह बिष्ट को एक बार फिर से सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किया गया।

51 सदस्यीय नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में मुख्य संयोजक के पद पर भवान सिंह गर्बियाल, संयोजक के पद पर दीवान सिह अधिकारी व हेम चंद्र सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगल सिंह रावत, उपाध्यक्ष पद पर गोविंद वल्लभ, आरपी तिवारी, किशोर चंद्र कोठारी, महेश चंद सिंह रौतेला, पूरन सिंह जीना, भुवन सिंह, सुरेश चंद्र पाण्डेय, महेंद्र सिंह राणा और राजेंद्र सिंह बिष्ट को चुना गया। सचिव पद पर राजेश बिष्ट, संयुक्त सचिव चंद्रमणि जोशी, कोषाध्यक्ष केएस चुफाल, सह कोषाध्यक्ष मदन सिंह बिष्ट, सांस्कृतिक सचिव महेंद्र सिंह गैलाकोटी, सह–सांस्कृतिक सचिव कैलाश सिंह, मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह कनवाल, अशोक असवाल, संगठन सचिव के पद पर नंदन सिंह बिष्ट, सूबेदार मेजर बहादुर सिंह बिष्ट समेत अन्य पदाधिकारियों का चयन किया गया।

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने गौ आश्रय स्थलों की ठंड से सुरक्षा और बजट उपयोग की समीक्षा की

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विधान भवन स्थित कार्यालय कक्ष में गौ आश्रय स्थलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि गोवंश के ठंड से बचाव के लिए त्रिपाल, अलाव और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी गोवंश की ठंड से मृत्यु बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पशुचिकित्साधिकारी गो आश्रय स्थलों पर जाकर गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा और औषधियों की व्यवस्था का निरीक्षण करें।मंत्री ने कहा कि जनपद के नोडल अधिकारी नियमित रूप से गो आश्रय स्थलों का निरीक्षण करें और चारा, भूसा, पानी, प्रकाश जैसी सभी व्यवस्थाओं की पूर्ण निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवंटित बजट का शत–प्रतिशत उपयोग किया जाए और उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी मद का बजट सरेंडर न होने पाए और बजट के व्यय में लापरवाही या उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।धर्मपाल सिंह ने कहा कि सभी अवस्थापना संबंधी कार्य 26 फरवरी 2026 तक पूर्ण किए जाएं। कार्यदाई संस्थाओं द्वारा मानक और लेआउट के अनुरूप कार्य किया जाए, और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि वृहद गौसंरक्षण केंद्रों में गोवंश शेड, पानी पीने की चराहिया और खडंजा मजबूत एवं व्यवस्थित तरीके से निर्मित किए जाएं। यदि किसी गौ आश्रय स्थल में अव्यवस्था या गोवंश की देखभाल संबंधी कोई शिकायत मिलती है तो उसका तुरंत सुधार किया जाए।मंत्री ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध हैं, इसलिए गौ संरक्षण केंद्रों की स्थापना प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम्य विकास विभाग और अन्य सहयोगी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जाए। साथ ही, दुग्ध विकास अधिकारियों को पराग के उत्पादों की मार्केटिंग सुदृढ़ करने और उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में पशुधन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने मंत्री को विभाग की योजनाओं की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया और सुनिश्चित किया। कि दिशा–निर्देशों का अनुपालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गो आश्रय स्थलों पर ठंड से सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी ।

अटल जी ने देश को हमेशा राजनीति से ऊपर रखा : गिरीश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर बुधवार को नगर के होटल रिवर व्यू में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की शख्सियत बेजोड़ थी। राजनैतिक क्षेत्र में अटल जी को महारत हासिल थी। उन्होंने हमेशा पार्टी के कार्यकर्ताओं को सर्वोपरि स्थान दिया। उनका कहना था कि पार्टी ताला है तो पार्टी के कार्यकर्ता ही चाबी हैं। अटल जी ने देश को हमेशा राजनीति से ऊपर रखा। उन्होंने कहा कि पहली बार वाजपेयी जी की सरकार ने सीमा पर शहीद होने वाले सैनिकों के शव को सम्मानपूर्वक घर पहुंचाने की जो परिपाटी शुरू की थी वह आज भी जारी

है। कारगिल युद्ध के समय शहीद सैनिकों के उनके स्वजनों को पेट्रोल पंप, गैस एजेंसी आवंटित करने तथा नौकरी देने जैसी योजनाएं भी वाजपेयी सरकार ने शुरू की थी। यह शहीदों के प्रति सम्मान और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति एक बड़ी पहल थी। उन्होंने कहा कि अटल जी ने राजनैतिक क्षेत्र में जो आयाम तय किए थे, सब कार्यकर्ताओं को प्रेरणा का स्रोत दिए उससे प्रेरणा लेकर हम सब कार्यकर्ताओं को काम करने की आवश्यकता है। जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि अटल जी 1999 से 2004 तक बतौर प्रधानमंत्री, पूर्ण कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे। अटल जी भारतीय जनता पार्टी के सह–संस्थापकों में से एक और वरिष्ठ नेता थे। वे हिंदू राष्ट्रवादी स्वयंसेवी संगठन आरएसएस के सदस्य और हिंदी कवि और लेखक भी थे। पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व बहुत विशाल व अलौकिक था। साहित्य के वे अमूल्य निधि थे। वे सरल स्वभाव के थे। उनकी बाल सुलभ वाणी थी। बातों से वे गुदगुदाते थे। आने वाली पीढ़ियां उनको याद करेगा। अमित श्रीवास्तव व सुरेन्द्र जायसवाल व विकास ने कहा कि अटल जी लोकतंत्र पर विश्वास करते थे। राष्ट्रवादी कवि हृदय अटल जी ने लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो उदाहरण पेश किए थे वो हम सबके लिए अनुकरणीय है।

कोहरे का असर कई ट्रेनें घंटों लेट जौनपुर– गाजीपुर पैसेंजर ट्रेन एक माह के लिए निरस्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में घने कोहरे और ठंड का असर ट्रेनों के परिचालन पर पड़ रहा है। कई ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं, जबकि जौनपुर–गाजीपुर सिटी पैसेंजर ट्रेन को एक माह के लिए रद्द कर दिया गया है। जौनपुर जंक्शन पर आनंद विहार मऊ एक्सप्रेस 12 घंटे की देरी से पहुंची। इसी तरह, हावड़ा से अमृतसर जाने वाली 13005 पंजाब मेल जंघई जंक्शन पर 12 घंटे विलंब से आई। अमृतसर से हावड़ा जाने वाली 13006 पंजाब मेल भी 2 घंटे 12 मिनट देरी से पहुंची। नई दिल्ली से बनारस जाने वाली 15128 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस भी एक घंटे देर से चल रही थी। बुधवार को जानकारी लेने पर जंघई जंक्शन के अधीक्षक कोमल सिंह ने बताया कि ठंड और घने कोहरे के कारण पंजाब मेल सहित कई ट्रेनें निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। कोहरे के मद्देनजर रेलवे ने जौनपुर–गाजीपुर सिटी पैसेंजर ट्रेन को 25 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक के लिए रद्द कर दिया है। यह ट्रेन एक महीने तक निरस्त रहेगी। इस ट्रेन के रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जौनपुर से गाजीपुर के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा उपलब्ध न होने के कारण यात्री आवागमन के लिए मुख्य रूप से इसी पैसेंजर ट्रेन पर निर्भर रहते थे। बुधवार को जौनपुर जंक्शन पर गाजीपुर जाने के लिए पहुंचे बक्शा निवासी रमेश सिंह और नईगंज निवासी सुरेश यादव ने बताया कि सीधी बस सुविधा न होने से पैसेंजर ट्रेन ही एकमात्र सहारा थी। अब इसके रद्द होने से उन्हें मजबूरन डग्गामार वाहनों से सफर करना पड़ रहा है। जौनपुर स्टेशन अधीक्षक राम प्रकाश ने भी पुष्टि की कि कोहरे को देखते हुए रेलवे ने जौनपुर–गाजीपुर पैसेंजर ट्रेन को 25 दिसंबर से 31 जनवरी तक के लिए निरस्त कर दिया है।

संक्षिप्त खबरें

लोकबंधु राजनारायण पूरा जीवन गरीबों, शोषितों और लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित था : राकेश मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी कार्यालय में बुधवार को सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या की अध्यक्षता में लोकबंधु राजनारायण की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं ने सर्वप्रथम लोकबंधु राजनारायण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिला महासचिव आरिफ हबीब ने एक गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें राजनारायण के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित जीवन दर्शन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पार्टीजनों ने उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि लोकबंधु राजनारायण ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य नरेंद्रदेव के आदर्शों का पालन करते हुए स्वतंत्रता आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई। वे शोषितों और गरीबों की मजबूत आवाज बने तथा लोकतंत्र व समाजवाद के प्रतीक रहे। मौर्य ने आगे कहा कि उनका पूरा जीवन गरीबों, शोषितों और लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित था। उन्होंने वर्ष 2027 में समाजवादी सरकार बनाकर उनके आदर्शों पर लोक कल्याणकारी कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता प्रभानंद यादव ने भी गोष्ठी को संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, महेंद्र प्रताप यादव नेपाल, गामा सोनकर, निजामुद्दीन अंसारी, अशोक निषाद, गुड्डू सोनकर, संदीप यदुवंशी, दीपक विश्वकर्मा धीरज बिंद, सुनील वासुदेव यादव, सेराज दरोगा, महताब सिद्दीकी, हरिश्चंद प्रभाकर, केशजीत बिंद, जे पी यादव एडवोकेट सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

एसकेडी अकादमी ने वृन्दावन शाखा में भव्य अंतर–शाखा वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया

लखनऊ प्रत्यूष पाण्डेय। एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के तत्वावधान में एसकेडी अकादमी द्वारा दिनांक 30 दिसंबर 2025 को वृन्दावन शाखा परिसर में अंतर–शाखा वार्षिक खेल महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसकेडी अकादमी की सभी पाँचों शाखाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खेल महोत्सव के अंतर्गत खो–खो, कबड्डी, वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन अंडर–14 एवं अंडर–17 वर्ग में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का परिचय दिया।

प्रमुख विजेता इस प्रकार रहे

खो–खो (अंडर–14 व अंडर–17) – वृन्दावन शाखा

कबड्डी (अंडर–14) – जेएच राजाजीपुरम तथा कबड्डी (अंडर–17) – विक्रांत खंड

वॉलीबॉल (अंडर–17)– विक्रांत खंड

बास्केटबॉल (बालिका वर्ग) – वृन्दावन योजना एवं बास्केटबॉल (बालक वर्ग) – विक्रांत खंड

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विजेता एवं उपविजेता टीमों को मेडल व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मनीष सिंह, निदेशक, एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं आत्मविश्वास का विकास करते हैं। अंतर–शाखा वार्षिक खेल महोत्सव ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि एसकेडी अकादमी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के साथ–साथ खेलों को भी समान महत्व देती है।

पांच ट्रेनें रहीं निरस्त, चार से पांच घंटे तक विलंब से चल रहीं ट्रेनें

भदोही, (संवाददाता)। ठंड के कारण रेल यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई है। सोमवार को भदोही–जंघई रेलमार्ग की पांच ट्रेनें निरस्त रहीं। वहीं, छह से ज्यादा ट्रेनें विलंब से आईं। सोमवार को 13005 हावड़ा–अमृतसर पंजाब मेल, अप–डाऊन सारनाथ एक्सप्रेस व अप–डाऊन जनता एक्सप्रेस निरस्त रही। मंगलवार को बनारस–नई दिल्ली के बीच चलने वाली 15127 केवी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। भदोही स्टेशन अधीक्षक बीबी मिश्रा ने बताया कि सोमवार को छह ट्रेनें निर्धारित समय से लगभग 4 घंटे तक विलंब से चलीं। लेट चलने वाली ट्रेनों में 12875 पुरी–आनंद विहार नीलांचल एक्सप्रेस 3:50 घंटे, 12256 जम्मूतवी–पटना अर्चना एक्सप्रेस 3रू 35 घंटे, 11071 एलटीटी–बलिया कामायनी एक्सप्रेस तीन घंटे, 15128 नई दिल्ली–बनारस केवी एक्सप्रेस लगभग 2.45 घंटे, 15127 बनारस–नई दिल्ली केवी एक्सप्रेस और 13006 अमृतसर–हावड़ा पंजाब मेल एक्सप्रेस लगभग सवा घंटे विलंब से भदोही स्टेशन पर पहुंची।

फिटनेस सेंटरों पर हो रही धाधली बंद हो : दिनेश टंडन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में और प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद स्वरूप मिश्रा के आह्वान पर प्रदेश के सभी मुख्यालय पर आज ज्ञापन देकर उपयुक्त समस्या और परेशानी को मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करें जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने जिलाधिकारी कार्यालय पर उपस्थित एसडीएम सूर्य प्रताप जी को ज्ञापन देते हुए कहा कि इसे आज ही मुख्यमंत्री जी को भेजने का कष्ट करें, पत्रकार बंधुओ से बातचीत में जिलाध्यक्ष ने बताया कि वाहन के निजी फिटनेस सेंटर पर हो रही धाधली के संदर्भ में आज ज्ञापन दिया जा रहा है, हाल ही में मिनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे द्वारा या निर्देश जारी कर दिया गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में तीन–तीन फिटनेस सेंटर खोले जाएंगे, यह पहल सराहनीय है जिससे पारदर्शिता,प्रतिस्पर्धा और सेवा में सुधार आने की संभावना है, किंतु वर्तमान में अधिकांश जिले में केवल एक ही फिटनेस सेंटर संचालित हो रहे हैं वाहन स्वामियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि एकमात्र फिटनेस सेंटर होने से वाहन स्वामियों से अनावश्यक शुल्क की मांग की जा रही है जो कि भ्रष्टाचार को कहीं ना कहीं बढ़ावा देता है प्रतिनिधि मंडल में उपस्थित नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने संयुक्त रूप से पत्रकारों को बताया कि उपयुक्त समस्या गंभीर समस्या है व्यापार मंडल को उम्मीद है मुख्यमंत्री जी जल्द से जल्द इस पर उचित निर्णय लेंगे ताकि जनता में भ्रष्टाचार मुक्त समाज की रचना हो सके, प्रतिनिधि मंडल में जिला कोषाध्यक्ष बनवारी लाल गुप्ता, विमल भोजवाल, विजय गुप्ता, राम कुमार साहू, अनिल वर्मा, संजय केडिया, मुन्नालाल अग्रहरि आदि।

जनसुनवाई के दौरान आए दिव्यांगजन को जिलाधिकारी ने वितरित किया ट्राई साइकिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,31 दिसंबर ।जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के समक्ष विभिन्न तिथियों पर जनसुनवाई के दौरान आए दिव्यांगजन द्वारा ट्राई साइकिल के लिए अनुरोध किया गया था, जिसके क्रम में आज जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में पांच दिव्यांगजन नंदलाल, लालताराम, रामसेवक चौहान, सुनील कुमार सोनकर और परदेसी बनवासी को ट्राई साइकिल, मिष्ठान, पुष्पगुच्छ, देते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से तथा दिव्यांगजन कल्याण विभाग द्वारा आज पांच लाभार्थियों को ट्राई साइकिल दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रीजी के निर्देश हैं कि जो भी दिव्यांगजन है, उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

सभी दिव्यांगजन को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से आच्छादित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी ने दिव्यांगजन लाभार्थियों से राशन कार्ड, पेंशन इत्यादि के संदर्भ में जानकारी ली। दिव्यांगजन द्वारा अवगत किया गया कि उन्हें योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, सहित दिव्यांगजन कल्याण विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ाना बेसिक शिक्षा विभाग के लिए बड़ी चुनौती

(राजन तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की संख्या लगातार घटती जा रही है।बच्चों की घटती संख्या पर बीएसए लाल चन्द्र ने बताया कि पिछले साल 1.55 लाख बच्चों के सापेक्ष 1.46 एडमिशन हुए है संख्या कम होने का कारण आधार से एडमिशन और 6 साल के बाद एडमिशन की अनुमति बन रही।बच्चे 4 साल की उम्र में प्राइवेट स्कूल की तरफ जा रहे। प्राइवेट स्कूलो द्वारा लगातार प्रचार प्रसार किया जाता है।1अध्यापक पर 30 बच्चों का मानक है अध्यापकों को अभिभावको से मिलकर प्रवेश के लिए प्रेरित करने की बात कही जाती है।एकल विद्यालय के सवाल पर उन्होंने कहा कि एकल विद्यालयों में 2 अध्यापक की व्यवस्था की जा रही। ऑनलाइन उपस्थिति में अध्यापकों की समस्या पर बीएसए लाल चन्द्र जवाब देने से बचते नजर आए और गेंद शासन के पाले में डाल दिए लेकिन वास्तविक समस्या जो अध्यापकों को आती है मात्र 14 सीएल में पूरे साल चलाना और पीएल की सुविधा का न होना एक चुनौती है शिक्षक नेता धर्मवीर सिंह चौहान ने बताया कि 40 किलोमीटर दूर जाना समय से पहुंचना एक महिला अध्यापक के लिए चुनौती होती हैं फिर भी समय से पहुंचते है, महिला अध्यापको को वरीयता दिया जाना चाहिए और घर से 5 किलोमीटर के अंदर के विद्यालय में स्थानांतरण किया जाना चाहिए। शिक्षक नेता उमाकांत मिश्रा ने शासन के आदेश पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते हुए कहा कि अध्यापकों की समस्याओं को दूर किए बिना आनलाइन उपस्थिति का लागू करना अव्यावहारिक है। यदि ऑनलाइन उपस्थिति का कोई आदेश जारी होता है तो हम सभी इस आदेश पर सरकार से पुनर्विचार की मांग करेंगे। पहले अध्यापकों को अन्य की तरह पीएल की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ महिला अध्यापक को घर से 5 किलोमीटर और पुरुष को 10 किलोमीटर तक के विद्यालय में स्थानांतरण कर समायोजित किया जाए। शिक्षक नेता प्रभाकर मिश्रा ने कहा आज जनपद में शिक्षकों के स्वयं की शादी के लिए,परिवार की शादी या कोई अन्य कार्य में 14 सी एल एक साथ न मिलना और पीएल न होना बड़ी चुनौती बनती है मजबूरन अध्यापकों को मेडिकल सर्टिफिकेट के बहाने छुट्टी लेनी पड़ती है।

अनुश्रवण समिति की बैठक में उठा अवैध कट का मुद्दा

भदोही, (संवाददाता)। जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में औराई विधायक दीनानाथ भाष्कर की अध्यक्षता में हुई। इसमें हाईवे के अवैध कट बंद होने का मुद्दा छाया रहा। प्रधानमंत्री आवास, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मनरेगा समेत अन्य कार्यों की प्रगति जानी गई। जनप्रतिनिधियों ने विकसित भारत जी राम जी के पोस्टर का विमोचन किया। विधायक ने आठ अगस्त 2025 को हुई बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी ली। इस दौरान नेशनल हाईवे पर कट बंद होने से पेट्रोल पंप संचालकों की बिक्री और जिले के राजस्व कम होने के प्रकरण एवं राईस मिलरों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास में पात्रों का ही चयन करें, अमृत सरोवरों की सफाई पर जोर दिया।

2026 में साइबर अपराधियों से केवल 'जीरो ट्रस्ट' ही करेगा सुरक्षा- डॉ.दिग्विजय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा है कि वर्ष 2026 साइबर सुरक्षा की दृष्टि से एक ऐतिहासिक और चुनौतीपूर्ण वर्ष साबित होने वाला है। नए साल में साइबर अपराधियों से प्रभावी ढंग से लड़ने के लिए आमजन को मानसिक और तकनीकी रूप से तैयार होना होगा। डॉ. राठौर ने बताया कि साइबर दुनिया में 'जीरो ट्रस्ट मॉडल' अपनाए बिना अब सुरक्षा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आभासी दुनिया में किसी भी व्यक्ति, कॉल, लिंक या संदेश पर बिना सत्यापन के विश्वास करना सबसे बड़ी भूल है। जब तक लोग डिजिटल संदेशों पर अंधविश्वास करना बंद नहीं करेंगे, तब तक साइबर अपराधों से पूरी तरह बचाव संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी डर और विश्वास इन दो भावनाओं को हथियार बनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। 'साइबर अरेस्ट' जैसे नए–नए तरीके इसका जीवंत उदाहरण हैं, जिनके माध्यम से लोग भय के कारण तुरंत अपराधियों के जाल में फँस जाते हैं। डॉ. राठौर ने बताया कि आज के साइबर अपराधी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे वे बड़ी आसानी से लोगों का विश्वास जीत लेते हैं। 2026 में ए आई का इस्तेमाल कर साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर साइबर अपराध कर सकते हैं। ओटीपी मांगना पुराना पैटर्न हो चुका है और नए पैटर्न में मोबाइल हैक कर ओटीपी अपने आप हासिल कर ले रहे।ऐसे में केवल सतर्कता ही नहीं, बल्कि तकनीकी समझ और निरंतर जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों से लड़ाई केवल तकनीक या केवल जागरूकता से नहीं, बल्कि दोनों के समन्वय से ही जीती जा सकती है। समय की माँग है कि प्रत्येक नागरिक 'पहले सत्यापन, फिर विश्वास' की नीति अपनाए।

साइबर सुरक्षा के लिए कुछ सावधानियां

1. अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल को लॉक करके रखें।
2. ईमेल का पासवर्ड मजबूत बनाएं और समय–समय पर बदलें।
3. मोबाइल पर आने वाले किसी भी संदेश को ध्यान से पढ़ें और किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।
4. कोई फोन करके ओटीपी मांगे तो कभी न दें।
5. ।च्ज्ञ फाइल डाउनलोड न करें।
6. अनजान नंबर से आने वाली वीडियो कॉल कभी रिसीव न करें।
7. सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें।
8. अपने व्हाट्सएप की प्रोफाइल फोटो केवल अपनों तक सीमित रखें।
9. अपना फोन नंबर और ईमेल आईडी सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रदर्शित न करें।
10. अपनी गतिविधियां तुरंत सोशल मीडिया पर साझा न करें।
11. मोबाइल और कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर जरूर रखें।
12. साइबर कैफे के कंप्यूटर पर अपनी क्रेडिट डेबिट कार्ड से पेमेंट ना करें।
13. ट्रूकॉलर जैसे ऐप अपने मोबाइल में इंस्टॉल करके रखें आने वाले कॉल से एक स्तर तक बचाव होता है।
14. दूसरे के मोबाइल में अपनी ईमेल आईडी लॉगिन ना करें.

एक ही सर्दी...किसी के लिए मौसम सुहाना तो किसी के लिए सितम

गोरखपुर, (संवाददाता)। कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। इसका जनजीवन पर साफ असर दिखाई दे रहा है। ठंड का यह मौसम शहर में दो अलग–अलग तस्वीरें पेश कर रहा है। एक ओर वे लोग हैं जो सर्दी का आनंद ले रहे हैं, घूम–फिर रहे हैं और खरीदारी में व्यस्त हैं। वहीं दूसरी ओर वे लोग हैं जिनके लिए यही ठंड रोजमर्रा की जद्दोजहद को और कठिन बना रही है। ठंड बढ़ते ही शहर के बाजारों में रौनक लौट आई है। गर्म कपड़ों की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। स्वेटर, जैकेट, शॉल और ऊनी टोपी की खरीदारी जोरों पर है। सोमवार को गोलघर, मोहद्दीपुर और अन्य प्रमुख बाजारों में खासा चहल–पहल नजर आई। दुकानदारों के लिए यह मौसम

कारोबार का सुनहरा समय साबित हो रहा है। एक वर्ग के लोग परिवार के साथ बाजार पहुंच रहे हैं और सर्दी को त्योहारों से पहले की शॉपिंग का मौका मान रहे हैं। सोमवार को नौका विहार पर भी ठंड के बावजूद लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। ताल के किनारे टहलते परिवार, दोस्तों के साथ समय बिताते युवा और गर्म चाय–कॉफी का आनंद लेते लोग दिखाई दिए। कई लोग इस मौसम को घूमने–फिरने और रोजमर्रा की व्यस्तता से राहत पाने का जरिया मान रहे हैं। गोरखनाथ मंदिर में भी सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे। ठंड के बीच दर्शन और परिसर में घूमने का अलग ही उत्साह देखने को मिला। यही सर्दी शहर के कमजोर और मेहनतकश वर्ग के लिए परेशानी बनकर सामने आई है। सोमवार को साहबगंज मंडी में ठेले पर सामान ढोते मजदूरों की हालत ठंड की मार को बयां कर रही थी। किसी के पास ढंग की जैकेट नहीं तो किसी के पैरों में जूते तक नहीं थे। ठंडी हवा और सर्द जमीन के बीच ये मजदूर अपनी आजीविका के लिए लगातार मेहनत कर रहे थे। हार्बर्ट बंधे पर नाला और सड़क निर्माण में लगे मजदूरों के लिए भी सर्द मौसम किसी चुनौती से कम नहीं है। खुले आसमान के नीचे सुबह से शाम तक काम कर वह परिवार चला रहे हैं। इन मजदूरों के साथ छोटे–छोटे बच्चे भी गिट्टी और निर्माण सामग्री उठाते नजर आए। ठंड के इस मौसम में जहां कई बच्चे घरों में गर्म कपड़ों में सुरक्षित हैं, वहीं ये बच्चे मेहनत और ठंड दोनों से जूझ रहे थे। ठंड को देखते हुए डीएम दीपक मीणा ने रविवार को स्कूल बंद करने का आदेश जारी कर दिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।